3 आतंकवादियों को रैपिड एक्शन वाहिनी ने भारत-बांग्लादेश के सीमावर्ती क्षेत्र चांपाइनवाबगंज के बमचर इलाके से गिरफ्तार किया है। ये सभी जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) से संबद्ध हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 24 नवंबर 2019

नक्सलियों ने पलामू में झामुमो नेता समेत दो को भूना

दुस्साहस ▶ झारखंड में विधानसभा चुनाव के पहले दौर से चंद दिनों पहले लगातार दूसरे दिन बड़ी वारदात

बाइक से आए थे नक्सली, हमले में दो अन्य घायल

जेएनएन, पलामू

झारखंड में विधानसभा चुनाव में खलल डालने पर आमादा नक्सलियों ने लगातार दूसरे दिन बड़ी वारदात को अंजाम दिया। शनिवार को पलामू स्थित छतरपुर के पिपरा बाजार में नक्सलियों ने सरेआम एके-47 से गोलियां बरसाईं। हमले में झामुमो नेता मोहन गुप्ता और फल व्यवसायी सूरज सोनी की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं, लोहरदगा में नक्सलियों ने सड़क निर्माण में लगी दो जेसीबी में आग लगा दी।

बताया जा रहा है कि मोटरसाइकिल पर सवार तीन नक्सली पहुंचे और भरे बाजार एके-47 से फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग में पिपरा प्रखंड प्रमुख संध्या देवी के पति सह झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष मोहन गुप्ता, फल व्यवसायी सूरज सोनी, राजकुमार सोनी व गोलू सोनी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूरज सोनी की वहीं मौत हो गई। मोहन गुप्ता, राजकुमार सोनी व गोलू सोनी को पहले छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल फिर मेदिनीनगर स्थित पलामू मेडिकल कालेज ले जाया गया। चिकित्सकों ने मोहन गुप्ता को मृत घोषित कर दिया। नक्सलियों ने मोहन गुप्ता पर पहले भी हमला किया था। उन पर पुलिस के लिए मुखबिरी करने का संदेह था। घटना को अंजाम देने के बाद नक्सलियों ने पर्चा छोड़ते हुए चुनाव बहिष्कार का एलान किया है।

वाहन फूंकने के बाद सड़क निर्माण कराया बंद : लोहरदगा के किस्को थाना अंतर्गत अति नक्सल प्रभावित मसूरियाखाड़ के समीप 35 करोड़ की लागत से सड़क निर्माण का काम चल रहा है। निर्माण कार्य में लगी दो जेसीबी मशीनों को नक्सलियों ने फूंक डाला और सड़क निर्माण काम बंद करने को कहा। घटना को भाकपा माओवादी के रिजनल कमांडर 15 लाख का इनामी रविंद्र गंझू के हथियारबंद दस्ते ने अंजाम दिया है। इसी दस्ते ने लातेहार में चार पुलिसकर्मियों की जान ली है।

खूंखार नक्सली इंदल गंझू पुलिस को चकमा देकर फरार

जासं, इटखोरी (चतरा) : प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन का खूंखार नक्सली इंदल गंझू एक बार फिर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। वह बेलहरी जंगल में अपने दस्ते के साथ विध्वंसक कार्रवाई को अंजाम देने की साजिश रच रहा था। पुलिस ने इस कार्रवाई में इंदल के समर्थक राम लखन सिंह भोक्ता को तीन कारतूस और नक्सली पर्चे के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

एमके दास को बनाया विशेष पुलिस ऑब्जर्वर

राज्य ब्यूरो, रांची

एमके दास। फाइल

लातेहार में नक्सली हमले के बाद निर्वाचन आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। 1977 बैच के सेवानिवृत्त आइपीएस अधिकारी मृणाल कांति दास को विधानसभा चुनाव के लिए विशेष पुलिस ऑब्जर्वर बनाया गया है। आयोग ने कहा कि मृणाल कांति चुनाव के मद्देनजर नक्सली चुनौती की समीक्षा करेंगे और सुरक्षा को लेकर विशेष प्रतिनियुक्ति करेंगे। तेज तर्रार पुलिस अधिकारी माने जाने वाले मृणाल को इसी वर्ष हुए लोकसभा चुनाव में त्रिपुरा व मिजोरम के लिए स्पेशल पुलिस ऑब्जर्वर बनाया गया था।

झारखंड में विधानसभा चुनाव पर नक्सली हिंसा का खतरा मंडरा रहा है। नक्सल प्रभावित 19 जिलों में शांतिपूर्ण मतदान पुलिस के लिए चुनौती है। प्रथम चरण के चुनाव के पूर्व ही लातेहार में नक्सली हिंसा ने सुरक्षा तैयारियों की पोल खोल दी है। लातेहार के जिस पुलिस इंस्पेक्टर मोहन पांडेय को नक्सल विरोधी अभियान का बड़ा खिलाड़ी बताकर स्थानांतरण रोकने की अनुशंसा की गई थी, उन्हीं के थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक एएसआइ और तीन जवानों को शहादत देनी पड़ी। हालांकि पुलिस महानिदेशक कमल नयन चौबे ने शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद कहा है कि शीघ्र ही शहादत का बदला लिया जाएगा।

चुनाव आयोग ने राज्य के 19 जिलों को नक्सल प्रभावित बताते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की बात कही थी। इन क्षेत्रों में क्वालिटी फोर्स लगाने की बात हुई थी, लेकिन इसका ध्यान नहीं रखा गया। विशेष रूप से प्रशिक्षित जवानों की जगह गृह रक्षकों को हाइवे गश्त पर लगा दिया गया।

अति नक्सल प्रभावित हैं 13 जिले : गिरिडीह, गुमला, खूंटी, लातेहार, पलामू, पश्चिमी सिंहभूम, बोकारो, हजारीबाग, चतरा, रांची, गढ़वा, लोहरदगा व सिमडेगा।

नक्सल प्रभावित जिले : दुमका, पूर्वी सिंहभूम, रामगढ़, गोड्डा, पाकुड़ व धनबाद।

यहां हो चुकी हैं नक्सली वारदातें

इसी वर्ष हुए लोकसभा चुनाव में नक्सलियों ने सरायकेला-खरसांवा और पलामू के हरिहरगंज में भाजपा के चुनावी कार्यालय को उड़ा दिया था।

वर्ष 2014 के विधानसभा चुनाव में दुमका के शिकारीपाड़ा में नक्सलियों ने चुनाव कराकर लौट रही पोलिंग पार्टी की गाड़ी को उड़ा दिया था। इसमें पांच पुलिसकर्मी मारे गए थे। अन्य नक्सली हमले में तीन पुलिसकर्मी मारे गए थे।

वर्ष 2009 के लोस चुनाव में दुमका में नक्सलियों ने बीएसएफ के दो जवानों की हत्या कर उनके हथियार लूट लिए थे।

कश्मीर में धमकी भरे पोस्टर जारी करने वाले 34 हिरासत में

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

- दुकानदारों और वाहन चालकों के साथ मारपीट करने में भी थे संलिप्त
- उपराज्यपाल ने पुलिस व प्रशासन को तत्काल कार्रवाई के दिए थे निर्देश

कश्मीर घाटी में दुकानदारों और वाहन चालकों के साथ मारपीट करने, उन्हें धमकाने और धमकी भरे पोस्टर जारी कर सामान्य जनजीवन में खलल डालने वाले तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने करीब 34 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने अधिकारिक तौर पर हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या की पुष्टि तो नहीं की, लेकिन यह जरूर कहा कि बहुत से लोगों को पकड़ा गया है।

पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 को लागू किए जाने से हताश अलगाववादी व आतंकी तत्व कश्मीर में जबरन बंद कराने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। बावजूद इसके दुकानें खुलने से हताश आतंकियों ने गत मंगलवार को श्रीनगर समेत वादी के विभिन्न हिस्सों में धमकी भरे पोस्टर जारी करने के अलावा कई जगह दुकानदारों और वाहन चालकों से मारपीट भी की। उन्होंने कथित तौर पर डाउन-टाउन में कुछ दुकानों को भी जलाया। इससे सामान्य जनजीवन पर भी खासा असर पड़ा। इसका संज्ञान लेते हुए जिला उपायुक्त श्रीनगर शाहिद इकबाल ने दो दिन पहले श्रीनगर के विभिन्न इलाकों का दौरा करते हुए स्थानीय लोगों को सुरक्षा का पूरा यकीन दिलाया। इस बीच, उप राज्यपाल ने भी इस मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस और नागरिक प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करने के लिए कहा। पुलिस ने विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर न सिर्फ सुरक्षा व्यवस्था को और चाक चौबंद बनाने की कवायद शुरू कर की बल्कि पोस्टर चिपकाने और लोगों को धमकाने वाले तत्वों की धरपकड़ भी तेज कर दी है। धमकी भरे पोस्टर चिपकाने और लोगों को डराने धमकाने की विभिन्न वारदात में लिप्त करीब 34 लोगों को बीते कुछ दिनों के दौरान पकड़ा गया है। इसके साथ ही विभिन्न इलाकों में सक्रिय आतंकियों के ओवर ग्राउंड वर्करों, पूर्व आतंकियों और पुराने पत्थरबाजों की गतिविधियों की निगरानी भी की जा रही है।

पोस्टर जारी करने वालों में लश्कर और हिजबुल भी : आइजीपी कश्मीर एसपी पाणि ने कहा कि दुकानदारों को धमकाने, वाहन चालकों के साथ मारपीट और विभिन्न इलाकों में धमकी भरे पोस्टरों से जुड़े सभी मामलों का कड़ा नोटिस लिया गया है। इन वारदात में लिप्त तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है। हमने कई लोगों को पकड़ा भी है। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों में पाया गया कि शरारती तत्वों ने ही धमकी भरे पोस्टर जारी किए हैं, तो कई मामलों में लश्कर और हिजबुल जैसे आतंकी संगठनों की संलिप्तता की पुष्टि हुई है। उनके कई माड्यूल कुपवाड़ा, बारामुला, सोपोर और पुलवामा में पकड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियां हालात की लगातार निगरानी और समीक्षा कर रही हैं।

सुकमा में 12 घंटे में दो बार मुठभेड़, तीन नक्सली ढेर

नईदुनिया, जगदलपुर

छत्तीसगढ़ में सुकमा जिले के बुरकापाल इलाके में शनिवार को 12 घंटे के अंतराल में डिस्ट्रिक रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और नक्सलियों के बीच दो स्थानों पर मुठभेड़ हुई। इसमें तीन वर्दीधारी नक्सली मार गिराए गए। मौके से पांच बंदूकें और नक्सल सामग्री बरामद की गई है।

आइजी सुंदरराज पी ने बताया कि डीआरजी की टुकड़ियां शनिवार सुबह इलाके में तलाशी अभियान पर रवाना हुई थीं। गादीरास थाना क्षेत्र के मुलेर जंगल में छिपे नक्सलियों ने उन पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। कुछ देर के बाद नक्सली भाग खड़े हुए। मौके की तलाशी ली गई तो एक वर्दीधारी नक्सली का शव मिला। इसकी शिनाख्त पीएलजीए प्लाटून नंबर 30 के सदस्य कोडरे केसा के रूप में की गई। वहीं बुरकापाल थाना क्षेत्र से तलाशी अभियान पर निकली डीआरजी और एसटीएफ की टीम की शाम करीब पांच बजे नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई। दोनों तरफ से करीब पौन घंटे फायरिंग हुई। इसके बाद नक्सली जंगल की आड़ लेकर भाग गए। यहां घटनास्थल की तलाशी लेने पर दो पुरुष वर्दीधारी नक्सलियों का शव बरामद किए गए। मौके से पांच बंदूक भी जब्त की गईं। मारे गए दोनों नक्सलियों की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

दंतेवाड़ा में एक लाख के इनामी नक्सली ने किया आत्मसमर्पण : दंतेवाड़ा के कटेकल्याण थाना क्षेत्र में चिकपाल के पदामीपारा निवासी नक्सली फगनू (27) ने शनिवार को थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। उस पर एक लाख का इनाम घोषित था।

नारायणपुर में नक्सलियों ने वाहन फूंके

नारायणपुर जिले में छोटेडोंगर थाना से ढाई किमी दूर मडोनार के सहपाल बस्ती के पास शनिवार शाम छह बजे हथियारबंद नक्सलियों ने सड़क निर्माण में लगी एक पोकलिन मशीन, एक बाइक और पांच ट्रैक्टर को आग के हवाले कर दिया। नक्सलियों ने ठेकेदार प्रेमदास मानिकपुरी की जमकर पिटाई कर दोबारा क्षेत्र में न आने की धमकी भी दी है।

सब जेल बने एमएलए हॉस्टल में बंद नेताओं के कमरों से मिले 11 मोबाइल

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

- कश्मीर में 33 राजनीतिक नेताओं को एहतियातन हिरासत में रखा गया है
- अधिकारियों ने उन नेताओं और कार्यकर्ताओं के नाम बताने से इन्कार किया, जिनके कमरों से मोबाइल मिले हैं

सब जेल बने एमएलए हॉस्टल में बंद 33 राजनीतिक नेताओं के कमरों की तलाशी के दौरान शनिवार को संबंधित प्रशासन ने 11 मोबाइल फोन और सिमकार्ड बरामद किए हैं। प्रशासन ने इस संदर्भ में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

राज्य प्रशासन ने एमएलए हॉस्टल को गत रविवार को सब जेल का दर्जा देते हुए नेशनल कांफ्रेंस, कांग्रेस, पीडीपी, पीपुल्स कांफ्रेंस और अवामी इत्तेहाद पार्टी के 33 नेताओं को सेंटूर होटल से स्थानांतरित किया था। इन नेताओं में पूर्व शिक्षा मंत्री नईम अख्तर, पूर्व डिप्टी स्पीकर सरताज मदनी, पूर्व समाज कल्याण मंत्री व पीपुल्स कांफ्रेंस के चेयरमैन सज्जाद गनी लोन, श्रीनगर के डिप्टी मेयर शेख इमरान, पूर्व मंत्री और नेकां महासचिव अली मोहम्मद सागर के अलावा पूर्व नौकरशाह शाह फैसल भी शामिल हैं।

संबंधित अधिकारियों ने बताया कि दो-तीन दिन से सूचना मिल रही थी कि सब जेल एमएलए हॉस्टल में रखे गए नेता और कार्यकर्ता मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर बाहर अपने परिजनों व समर्थकों के साथ लगातार संपर्क में हैं। इन सूचनाओं का संज्ञान लेते हुए शनिवार को एमएलए हॉस्टल में तलाशी ली गई और 11 मोबाइल फोन व सिमकॉर्ड बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान कुछ लोगों ने विरोध भी किया। संबंधित अधिकारियों ने उन नेताओं और कार्यकर्ताओं के नाम बताने से इन्कार किया, जिनके कमरों से मोबाइल मिले हैं। उन्होंने बताया कि जेल मैन्युल के मुताबिक, सब जेल एमएलए हॉस्टल में मोबाइल फोन का इस्तेमाल प्रतिबंधित है। इस प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ संबंधित कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि यह मोबाइल उसी दिन एमएलए हॉस्टल पहुंचे हैं, जिस दिन इन नेताओं को यहां लाया गया था। शायद यही कारण है कि जब हम इन लोगों को एमएलए हास्टल में स्थानांतरित कर रहे थे तो इन्हों पुलिसकर्मियों को तलाशी देने से मना किया था। इसके अलावा कुछ के पास उनके रिश्तेदारों ने मोबाइल फोन पहुंचाए हैं।

गौरतलब है कि पांच अगस्त को जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 को लागू किए जाने से उपजी स्थिति के मद्देनजर प्रशासन ने हालात को सामान्य बनाए रखने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं को एहतियातन हिरासत में रखा है। राज्य के तीन पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती, फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला भी पांच अगस्त से ही हिरासत में हैं। करीब 55 नेताओं को पहले सेंटूर होटल को सब जेल का दर्जा देकर उसमें ही रखा गया था। इनमें से कई नेताओं को हालात सामान्य बनाए रखने में सहयोग की शर्त के आधार पर ही रिहा किया गया है, जबकि 33 अन्य नेताओं को गत रविवार को एमएलए हॉस्टल स्थानांतरित किया गया।

बिहार में मुथूट फाइनेंस से लूटा 20 करोड़ का सोना

जासं, हाजीपुर

बिहार में मुथूट फाइनेंस कंपनी की हाजीपुर स्थित शाखा से शनिवार दोपहर को आधा दर्जन से अधिक बदमाशों ने 55 किलो 700 ग्राम सोना लूट लिया। वारदात के दौरान बदमाशों ने वहां तैनात दो सुरक्षा गार्डों और दो ग्राहकों से मारपीट भी की। लूटे गए सोने की कीमत करीब 20 करोड़ रुपये है।

लूट के दौरान बदमाशों ने असलहों का भय दिखा शाखा प्रबंधक को भी बंदी बना लिया और वहां मौजूद लोगों से मोबाइल छीन लिए। 20 मिनट के अंदर वारदात को अंजाम देकर सभी अपराधी फरार हो गए। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। गार्ड रवींद्र कुमार के अनुसार करीब 12:30 बजे एक ग्राहक आया। शाखा में प्रवेश के लिए पहचान पत्र दिखाना जरूरी होता है। गार्ड ने जब परिचय पत्र मांगा तो ग्राहक रूप में आया अपराधी उलझ पड़ा। उसने गार्ड की गर्दन पकड़ ली और पीटते हुए अपने अन्य साथियों को बुला लिया। तभी आधा दर्जन हथियारबंद बदमाश शाखा में घुस गए। बदमाशों ने यहां मौजूद दूसरे गार्ड रामस्वारथ राय और दो ग्राहकों को भी मारपीट कर बंदी बना लिया।

हाजीपुर में मुथूट फाइनेंस कंपनी के दफ्तर में लूट के बाद थैले में सोना रखकर ले जाते अपराधी की सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई तस्वीर। जागरण।

इसके बाद बदमाशों ने शाखा प्रबंधक सुबोध कुमार सिंह और कर्मचारी सोनू कुमार के हाथ बांध दिए और सभी के मोबाइल छीन लिए।

पिस्टल के बल पर लुटेरे शाखा प्रबंधक को स्ट्रांग रूम ले गए और 55 किलो 700 ग्राम सोना लेकर आराम से फरार हो गए। कार्यालय में मौजूद एक कर्मचारी का मोबाइल उसी के पास रह गया था। अपराधियों के फरार होने के बाद उसने पुलिस को सूचना दी।

प्रवेश देते ही छात्रा को कॉल करने लगे थे चिन्मयानंद

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर

दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली एलएलएम की छात्रा से चिन्मयानंद फोन पर लंबी बातें किया करते थे, लेकिन संजय सिंह की एंट्री के बाद जब मामला गड़बड़ाने का अंदेशा हुआ तो फोन से बातचीत कम कर दी। बाद में दोनों के बीच मैसेज के जरिए बात होने लगी। हालांकि, जब छात्रा ने छात्रावास छोड़ा तो कलई खुलने के डर से चिन्मयानंद ने मैसेज डिलीट कर दिए, लेकिन एसआइटी ने गुजरात की गांधीनगर की लैब से सभी मैसेज रिकवर कर लिए। एसआइटी की ओर से कोर्ट में दाखिल की गई चार्जशीट में इसके साक्ष्य मिलने का जिक्र किया गया है।

छात्रा का प्रवेश एलएलएम में जून 2018 में हुआ था। कम रैंक होने के बाद भी चिन्मयानंद के कहने पर न सिर्फ प्रवेश दिलाया गया, बल्कि कॉलेज प्रबंधन की ओर से ही फीस की भी व्यवस्था की गई। यानी वह उसको पहले से जानते थे। शुरुआत में प्रवेश के संबंध में छात्रा की एक-दो बार चिन्मयानंद से फोन पर बात हुई थी, लेकिन इस मेहरबानी के बाद वह उनसे फोन पर काफी देर तक बात करने लगे। दोनों के पास दो-दो मोबाइल नंबर थे, जिन पर सितंबर, 2018 से अगस्त, 2019 तक करीब 209 बार बातचीत व मैसेज हुए। अक्टूबर, 2018 में चिन्मयानंद के कहने पर ही छात्रा को सामान्य जाति से होने के बावजूद ओबीसी छात्रावास दिया गया। छात्रावास में आने के बाद दोनों के बीच फोन पर बात कम होने लगी थी।

परिवार से ज्यादा संजय को कॉल की : छात्रा के साथ जो कुछ हो रहा था उस बारे में वह परिवार को बहुत कुछ खुलकर नहीं बता पा रही थी। संजय का साथ मिलने पर छात्रा ने संजय को पूरी बात बताना शुरू किया। छात्रावास आने के बाद छात्रा की अपने परिवार से 1633 बार कॉल व मैसेज से बातचीत हुई, जबकि उसके व संजय के बीच 5331 बार कॉल व मैसेज के जरिए संपर्क हुआ।

विवेक से भी हुई कई बार बात : चिन्मयानंद ने छात्रा के लिए किस्तों पर स्कूटी भी खरीदी थी। जिसका भुगतान विवेक गुप्ता के माध्यम से किया जाता था। बताया जा रहा है कि विवेक स्टेशनरी विक्रेता हैं। एसएस कॉलेज में उनकी ही दुकान से किताबों व स्टेशनरी की सप्लाई होती है। इसी कॉलेज में छात्रा पढ़ती थी। विवेक भी लगातार छात्रा व उसके परिवार के संपर्क में थे। छात्रा व उसके परिजनों की विवेक से 95 बार कॉल व मैसेज से बातचीत हुई थी।

ब्लैकमेलिंग की योजना बनाने पर ज्यादा बात : चिन्मयानंद से ब्लैकमेलिंग की योजना बनाने के दौरान संजय सिंह की विक्रम सिंह व सचिन सेंगर से कई बार बात होती थी। विक्रम व छात्रा के बीच 22 बार फोन कॉल व मैसेज हुए, जबकि संजय सिंह व सचिन सेंगर के बीच 140 बार फोन पर बात व मैसेज किए गए। संजय सिंह की सबसे ज्यादा बार बात विक्रम सिंह से हुई। दोनों ने आपस में 666 बार कॉल व मैसेज किए, जबकि विक्रम व सचिन के बीच 602 कॉल व मैसेज ट्रेस हुए।

कॉल डिटेल से हुई पुष्टि : कॉल डिटेल व मैसेज के जरिए एसआइटी ने चारों की आपस में संलिप्तता होने की पुष्टि की। नौ से 23 अगस्त तक चारों की लोकेशन अधिकांश समय एक साथ मिली। कार चालक अनूप की मौजूदगी भी उनके साथ थी।

सचिन ही करता था ज्यादा खर्च

रुपये मिलने के लालच में शामिल हुआ सचिन सेंगर ही ज्यादातर खर्च करता था। सचिन सेंगर की एक से 23 अगस्त तक कार चालक अनूप के मोबाइल फोन पर 17 कॉल निकलीं, जिनके आधार पर उस तक पहुंचने में एसआइटी को मदद मिली, जिसके आधार पर पता चला कि सचिन सेंगर ने ही ऑनलाइन कार बुक कराई थी। उसी ने होटल, गेस्ट हाउस के किराए व अन्य बिलों का भुगतान किया था।

19 दिन जिले से बाहर, 103 दिन घर में रही छात्रा

जासं, शाहजहांपुर : पूर्व केंद्रीय मंत्री चिन्मयानंद पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली छात्रा को अक्टूबर, 2018 में छात्रावास में कमरा मिल गया था। शुरुआत में तो उसका घर आना-जाना लगा रहता था। इस दौरान वह कुछ दिन वहां रुकती भी थी, लेकिन बाद में अधिकांश समय छात्रावास में रहने लगी। चिन्मयानंद के खिलाफ वीडियो वायरल करने से पहले वह जिले से बाहर चली गई। इस बारे में परिवार वालों को भी ज्यादा कुछ नहीं बताया। छात्रा ने अगस्त, 2019 में छात्रावास का कमरा छोड़ा था। इस बीच वह करीब 103 दिन अपने घर पर परिवार के साथ रही, जबकि करीब 19 दिन तक बाहर रही। एसआइटी ने कोर्ट में पेश की गई चार्जशीट में इसका भी जिक्र किया है।

एसआइटी की जांच में एक खास बात यह भी सामने आई थी कि चिन्मयानंद ने कॉलेज में छात्रा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया था, जबकि लॉ कालेज में पढ़ने वाले किसी छात्र या छात्रा का जन्मदिन ऐसे नहीं मनाया जाता। लॉ कॉलेज की मूट कोर्ट में केक काटते समय छात्रा के साथ मौजूद चिन्मयानंद का फोटो भी एसआइटी ने साक्ष्य के तौर पर रखा है।

दुर्घटना के बाद कार में लगी आग, पांच जिंदा जले

जागरण संवाददाता, एटा

उप्र के एटा स्थित बागवाला थाना क्षेत्र में शनिवार तड़के एक कार आगे चल रहे ट्राला से टकरा गई। टक्कर के बाद कार में आग लग गई जिससे इसमें सवार पांच लोग जिंदा जल गए। एक किशोरी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में तीन एक ही परिवार के सदस्य और दो रिश्तेदार शामिल हैं।

एटा जिले के थाना नयागांव क्षेत्र के तमरौरा निवासी 35 वर्षीय सुनील दिल्ली में टैक्सी चालक थे। वह परिवार सहित नोएडा के सेक्टर 15 में रहते थे। शुक्रवार रात वह अपनी रिट्ज कार में पत्नी विमला देवी, बेटे लवकुश, बेटी वर्षा, ममेरे भाई चंद्रशेखर और मौसा बबलू के साथ गांव जा रहे थे। कार को सुनील चला रहे थे। एटा-अलीगंज मार्ग पर गांव हिम्मतपुर के पास सुबह 4.30 बजे कार आगे जा रहे ट्राला से टकरा गई। ट्राला पर सीमेंट की बोरियां लदी थीं। टक्कर होते ही कार में आग लग गई। गाड़ी सेंट्रल लॉक थी, इस वजह से कोई भी बाहर नहीं निकल पाया।

हादसा इतना भीषण था कि ट्राला में फंसी कार घिसटती चली गई। नजदीक स्थित ईंट भट्ठा मजदूरों ने रेत डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन लपटें शांत नहीं हुईं। दमकल के पहुंचने पर आग बुझाई जा सकी थी। तब तक सुनील, विमला देवी, लवकुश, चंद्रशेखर और बबलू की मौत हो चुकी थी। वर्षा की सांसें चल रही थीं। उसे अस्पताल भिजवाया गया। इधर, हादसा होते ही ट्राला के चालक-परिचालक भाग गए। एसएसपी सुनील कुमार सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। उन्होंने बताया कि कार में सीएनजी किट लगी थी। मृतक सुनील के पिता ने अज्ञात ट्राला चालक के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई है।

बागवाला क्षेत्र में शनिवार तड़के हादसे के बाद ट्राला में घुसी कार देखते आसपास के ग्रामीण। जागरण

अजीबोगरीब

शादी के सात साल बाद पति ने तलाक के लिए लगाई अर्जी, पत्नी का कहना था कि वह अपने प्रेमी को नहीं भूल पा रही है

पति ने कहा-प्रेमी से करा दो पत्नी की शादी

नईदुनिया, भोपाल

- मध्य प्रदेश के भोपाल में सामने आया अनूठा मामला
- पति-पत्नी ने आपसी सहमति से लगाया तलाक का केस

फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' से मिलता-जुलता घटनाक्रम पिछले दिनों मध्य प्रदेश में भोपाल के कुटुंब न्यायालय में सामने आया। शादी के सात साल बाद पति ने पत्नी की शादी उसके प्रेमी से करवाने के लिए तलाक की अर्जी लगाई। पति का कहना है कि पत्नी, प्रेमी को भुला नहीं पा रही है, ऐसे में वह मेरे साथ कभी खुश नहीं रहेगी। बेहतर है कि हम तलाक ले लें और वह अपने प्रेमी के साथ खुशी से जीवन व्यतीत करे। दोनों ने आपसी सहमति से तलाक के लिए कोर्ट में केस फाइल किया है।

मामला शहर के कोलार क्षेत्र का है। पत्नी फैशन डिजाइनर और पति सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। पति इसलिए तलाक देने के लिए तैयार है ताकि पत्नी अपने प्रेमी से शादी कर सके। दंपती के छह और तीन साल के दो बच्चे भी हैं। जज का कहना है कि आपसी सहमति से तलाक का केस फाइल हुआ है तो अगली पेशी में तलाक हो जाएगा। वहीं, काउंसलर का कहना है कि मामले में पति ने पत्नी पर कोई भी आरोप नहीं लगाया है। वह दोनों बच्चों को अपने साथ रखने के लिए तैयार है और पत्नी को बच्चों से मिलने के लिए छूट देने पर भी सहमति जताई है।

प्रेमी ने नहीं की है शादी : काउंसिलिंग में पति ने बताया कि तमाम प्रयासों के बावजूद पत्नी मेरे साथ खुश नहीं है। शादी के समय पहले तो उसने कुछ नहीं बताया, लेकिन एक साल बाद बातों-बातों में कॉलेज के दिनों के अपने पहले प्यार के बारे में जिक्र कर दिया। इसके बाद उसके कॉलेज के दोस्तों से पता किया तो दोनों के प्रेम प्रसंग के बारे में जानकारी हुई। दोनों ने स्कूल से लेकर कॉलेज तक साथ-साथ पढ़ाई की थी, लेकिन अंतरजातीय होने के कारण पत्नी के पिता दोनों की शादी के लिए तैयार नहीं हुए। पत्नी के प्रेमी ने भी अभी तक शादी नहीं की है। दरअसल, उसने जीवनभर अविवाहित रहने की ठान ली थी। मैंने पहले सोचा पत्नी कुछ दिनों में सब भूल जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

पहले प्यार को भुलाना मुश्किल

पत्नी ने काउंसिलिंग में बताया कि मैं अपने पहले प्यार को नहीं भूला सकती थी। अगर पति मुझे बच्चों को नहीं सौंपे तब भी मैं उनके साथ अब नहीं रह सकती। मेरे घरवालों को भी इस बारे में जानकारी थी, लेकिन जबरदस्ती उन्होंने मेरी शादी कर दी। पिछले दिनों पति ने हम दोनों को मिलवाया था। अब अपने पहले प्यार के साथ जाने से मैं अपने आप को नहीं रोक सकती। इसलिए तलाक की अर्जी स्वीकार करें।

यह पहला ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें पति अपनी पत्नी को प्रेमी से मिलवाने के लिए तलाक देने के लिए तैयार है। साथ ही बच्चों का भी पालन-पोषण खुद ही करेगा।
- शैल अवस्थी, काउंसलर, कुटुंब न्यायालय, भोपाल

चारों धाम में हिमपात, निचले इलाकों में हुई बारिश

जागरण संवाददाता, देहरादून : उत्तराखंड में सुबह से ही पर्वतीय क्षेत्रों में कई जगह हल्की बारिश शुरू हो गई। वहीं, बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में हिमपात हुआ। इसके अलावा गढ़वाल और कुमाऊं में चोटियां बर्फ से ढक गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार रविवार से प्रदेश में मौसम साफ रहेगा।

शनिवार को पहाड़ से लेकर मैदान तक सुबह से ही मौसम करवट बदलता रहा और मैदानों में बादल छाए रहे। इसके अलावा पौड़ी, चमोली, उत्तरकाशी और पिथौरागढ़ में कई स्थानों पर हल्की बारिश हुई। चारों धामों में भी सुबह बर्फ गिरनी शुरू हुई, यह क्रम दोपहर बाद तक जारी रहा। इसके अलावा उत्तरकाशी में जिले में दयारा बुग्याल और हर्षिल के आसपास भी बर्फ गिरी। हेमकुंड साहिब के साथ ही नीती और माणा घाटी में भी लगातार बर्फबारी हो रही है। मौसम में आए बदलाव से निचले इलाकों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। राज्य मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार रविवार से प्रदेश में मौसम साफ रहेगा।

घाटी में सोशल मीडिया पर सक्रिय लोगों की निगरानी

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

- पुलिस अधिकारी की ओर से भूलवश एक दस्तावेज मीडियाकर्मियों को मेल पर भेज देने से पता चला

कश्मीर घाटी में हालात सामान्य बनाए रखने के लिए पुलिस सोशल मीडिया पर सक्रिय विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं के अलावा पत्रकारों की गतिविधियों की लगातार निगरानी कर रही है। इसके अलावा कश्मीर की स्थिति को लेकर इंटरनेट पर अपलोड होने वाली खबरों व उनके स्रोत की भी निगरानी हो रही है। पुलिस की इस जांच का पता एक पुलिस अधिकारी की तथाकथित चूक से चला है। पुलिस मीडिया सेल से जुड़े एक अधिकारी ने सोशल मीडिया पर निगरानी से संबंधित एक दस्तावेज कथित भूलवश वादी में विभिन्न मीडियाकर्मियों को मेल पर भेज दिया।

पुलिस मीडिया सेल ने इस दस्तावेज का पता होने के तुरंत बाद एक अन्य मेल में सभी से आग्रह किया कि वह इसे रद कर दें, लेकिन तब तक निगरानी की पुष्टि हो चुकी थी, जिसके बारे में कोई अधिकारी मानने को तैयार नहीं होता था। अगर कोई इस तथ्य को स्वीकारता तो यही कहता कि सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाने वाले तत्वों की गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। कई ऐसे अकाउंट बंद कराए गए हैं।

पुलिस द्वारा जो दस्तावेज कथित भूलवश सार्वजनिक हुआ है, उसके मुताबिक राज्य पुलिस पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान, पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार हमीद मीर, कश्मीर के वरिष्ठ पत्रकार अहमद अली के अलावा जेएनयू छात्रसंघ की पूर्व उपाध्यक्ष शेहला रशीद के ट्विटर की भी निगरानी कर रही है। सात पेज के इस दस्तावेज में विभिन्न लोगों द्वारा कश्मीर के हालात को लेकर सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों के स्क्रीन शॉट हैं। शेहला रशीद इस समय दिल्ली में हैं। उन्होंने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ट्वीट किया कि यह जानकर खुशी हुई है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस मेरे ट्वीट पढ़ रही है।